nt>

12.08 hrs.

DISCUSSION UNDER RULE 193

PRIME MINISTER'S STATEMENT ON THE RESIGNATION OF SHRI DILIP SINGH JUDEV FROM THE COUNCIL OF MINISTERS − Contd.

Title: Regarding Prime Minister's statement on the resignation of Shri Dilip Singh Judev, Minister of State in the Ministry of Environment and Forests from the Council of Ministers, raised by Shri Ramji Lal Suman on 10th December, 2003 .(Continued − concluded)

MR. SPEAKER: As decided earlier, Calling Attention will be taken up after the Prime Minister's reply would be over.

Yesterday, there were a few Members who could not speak on the discussion under rule 193 regarding resignation of Shri Dilip Singh Judev, Minister of State in the Ministry of Environment and Forests from the Council of Ministers. It was very unfortunate yesterday that the debate could not take place further as there was no quorum in the House. Therefore, the hon. Members were deprived of their privilege of speaking on this subject in the House.

Only the Member who was on his legs, Shri Ajoy Chakraborty, will be allowed to speak now.

SHRI AJOY CHAKRABORTY (BASIRHAT): Sir, yesterday I was on my legs. I will conclude my speech very shortly.

MR. SPEAKER: You may speak for only three minutes.

SHRI AJOY CHAKRABORTY : As students we observed that brilliant students of colleges and universities entered politics after completing their education in colleges or universities. After education, they used to join different political parties and participate in political activities of the country. But now-a-days, young men and the brilliant students of colleges and universities are not eager to join politics. Not only that, they are frustrated with the activities of the political leaders because of their corrupt practices and criminal activities.

Here, I would like to cite an incident. Young engineer, Shri Dubey, who disclosed corruption in the *Prime Minister's Gram Sadak Yojana* was not protected by the administration and he had succumbed to his injuries. Our country's position, in the list of the corrupt countries, is 78. It is a sorry state of affairs. Our people are losing faith in politicians. They are frustrated with the activities of the politicians. They are frustrated not only with the corrupt practices but also with the criminalisation of politics. Many political leaders who are involved in many criminal activities are being detained in jail again and again, times without number, not in any political movement but on account of criminal cases. Under IPC 302 and other laws of the Indian Penal Code, they are detained in custody.

It is a very sorry state of affairs. So, I urge upon the hon. Prime Minister to take proper action. You are not only the Prime Minister of this country but you are also the leader of this nation. You are the Leader of this House. You are a most veteran Member of this House. So, please start setting an example. The entire country is behind you. The entire Parliament is behind you. So, please start taking action in this regard. Please make an effort to remove corruption in high places and to stop criminalisation of politics. It is not a question of either Jogi or Judev. It is a question of the entire country. It is a matter concerning the entire country. It is, indeed, a shameful matter that politicians are involved in corruption and criminalisation of politics. So, I earnestly request you to do something in this regard. I would humbly request you to start setting an example; take recourse to remove corruption. Please make efforts to stop criminalisation of politics. You are an able person to do that. I hope so.

Lastly, I would like to say that I support the contention of Shri Ramji Lal Suman, who was the prime mover of this discussion; Shri Somnath Chatterjee and Shri Pawan Kumar Bansal said that a wrong message should not go from the supreme authority of this country. A proper message should go to the nation that this House is determined to fight corruption and criminalisation of politics. I also

support the contention that there should be a Joint Parliamentary Committee so that a message could go to the nation that this Parliament, the supreme authority of this nation, is determined to fight corruption. So, I demand that a Joint Parliamentary Committee should be constituted to ascertain the position, to ascertain the real truth of what happened in the Judev case.

With these words, I conclude.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, इस विाय पर बोलने के लिए दो मिनट का समय दे दीजिए।

अध्यक्ष महोदय : कल सदन में कोरम न होने की वजह से चर्चा पूरी नहीं हो सकी। मैंने यह तय किया है कि उनका भााण पूरा होने के बाद प्राइम मिनिस्टर का ज वाब होगा।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : महोदय, दो-दो मिनट दे दीजिए।

MR. SPEAKER: If you are really prepared to speak only for two minutes and put the question to the hon. Prime Minister, I will permit you.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, आपका आदेश सर्वोपरि है। सदन में जो बहस चल रही है, उसके स्तर में गिरावट हुई है। कहा जा रहा है, इसका भ्रष्टाचार, उसका भ्रटाचार - इसका क्या मतलब है। हम लोग कहा करते थे - धन और धरती बंट कर रहेगा, अपना-अपना छोड़कर और भ्रटाचार मिटकर रहेगा, अपना-अपना भ्रटाचार छोड़कर। यही बहस का कन्क्लुयजन है। मैं आपके माध्यम से सीधा प्रश्न पूछना चाहता हूं ।'40 वां बनाम 4 वां भ्रटाचार' - इस पर कल सदन में बहस हुई है। इसलिए मुझे तकलीफ है और हमने आपसे विनम्रता के साथ कल आग्रह किया था कि भ्रटाचार को शिटाचार न बनने देने के लिए बहस को मर्यादित रखने में आप पहल कीजिए। भ्रटाचार को शिटाचार बनाने पर सदन में बहस हुई है और बहस हुई है कि वह धर्मान्तरण के लिए था। इसलिए जुदेव द्वारा यह अलग ढंग की रिश्वत है, लेकिन जोगी के द्वारा साजिश की गई है। मैं हतप्रभ हूं कि यह हो क्या रहा है और इस तरह से क्या भ्रटाचार पर कभी काबू पाया जाएगा। अच्छाई से बुराई को कम किया जा सकता है, लेकिन कम बुराई से ज्यादा बुराई वाले को टकरा कर, बुराई से बुराई को खत्म नहीं किया जा सकता है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि भ्रटाचार विकास से भी जुड़ा हुआ है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने श्री सत्येन्द्र कुमार दुबे की निर्मम हत्या पर रुचि ली है, जो गया, बिहार में एनएचएआई में पदस्थापित थे, कानपुर आईआईटी के टॉपर थे। उनका दो यही था कि उसने पीएमओ को एक पत्र लिखा कि मनी की लूट हो रही है और टैक्नीकल नार्म्स के खिलाफ काम हो रहा है। प्रधान मंत्री जी की गोल्डन क्वाड्रिलेट्रल सड़क योजना में काफी रुचि है, क्योंकि यह एक अच्छा प्रोजैक्ट है और राट्र के लिए एक बेहतर योजना है। प्रधान मंत्री जी ने कहा है कि उसके हत्यारे को, वे जहां कहीं पर भी होंगे, खदेड़ कर गिरफ्तार किया जाएगा। मैं प्रधान मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि सीबीआई में जो मामले जाते हैं, वे कोल्ड स्टोरेज में चले जाते हैं। यह तात्कालिक मामला है, पब्लिक मनी की लूट का मामला है। भ्रटाचार का कोई सवाल उठता है और उसे समाप्त कर दिया जाता है। यह एक गम्भीर सवाल है।

THE MINISTER OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (MAJ. GEN. (RETD.) B.C. KHANDURI): Sir, he has made an allegation. यादव जी ने कहा है कि दुबे का यह कसूर था कि उसने प्रधान मंत्रीजी को चिठ्ठी लिखी, इसलिए वे मारे गए। यह बात तथ्य से बिलकुल परे हैं।

यह बात सही नहीं है। इसकी जांच चल रही है। इनका आरोप गलत है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः मैंने आपको दो मिनट बोलने का समय दिया था। अब आप बैठिए।

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खंडूड़ी : माननीय अध्यक्ष जी, इसकी जांच चल रही है। इसलिए यहां इस तरह के आरोप लगाना ठीक नहीं है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः प्रधान मंत्री जी अपने उत्तर में यह बात कह सकते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : अध्यक्ष महोदय, देश में भ्रटाचार और लूट मची है जिस की कोई इन्तहा नहीं है â€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं सुझाव देकर बताना चाहता हूं कि इसे कैसे दूर किया जाए? भ्रटाचार ऊपर से नीचे आता है। â€¦ (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं दूसरी बात कर रहा हूं। इसका निराकरण कैसे हो, मैं इसके बारे में सुझाव देना चाहता हूं। यहां इस समस्या पर बहुत चर्चा हुई। इसे कैसे दूर किया जाए और भ्रटाचार पर कैसे काबू पाया जाए, उसके लिए मेरा एक सुझाव है। चूंकि भ्रटाचार ऊपर से नीचे की ओर आता है इसलिए इस तरफ ध्यान देना जरूरी है। वह छोटी-छोटी नदियों को साफ करने या क्लर्क और किरानी को पकड़ने से दूर नहीं होगा। भ्रटाचार गंगोत्री से नीचे छोटी नदियों में जाता है। इसे दूर करने के लिए कॉन्स्टीट्यूशनल हाई पावर कमिशन बनाया जाए जिसे पूरी ऑटोनमी दी जाए। 1947 से लेकर अभी तक यानी 2003 तक जो लोग भी विधायिका में रहे या बड़े-बड़े पदों पर रहे. चाहे वे मिनिस्टर रहे हों या एमपी रहे हों या न्यायपालिका में रहे हों â€¦ (व्यवधान) कार्यपालिका में बडे-बडे पदों पर रहे हों।

अध्यक्ष महोदयः पप्पू जी, अब आप बोलिए। आपका सुझाव आ गया है। प्लीज बैठिए।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः आपने बोलने के लिए दो मिनट मांगे थे जो मैंने दिए। बार-बार अपनी बात रिपीट मत करिए।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : उन सब की चल और अचल सम्पत्ति की जांच उस ऑटोनमस कमीशन के जरिए करायी जाए जिससे भ्रटाचार पर काबू पाया जा सके। एक कानून बना कर सम्पत्ति का ब्योरा देना उनके लिए अनिवार्य बना दिया जाए। इतना ही मुझे कहना है। ऐसे लोंगों को सूचीबद्ध करके शपथ ग्रहण करते समय ही चल-अचल संपति का ब्यौरा देना अनिवार्य किया जाए चाहे वह बडे से बडे पद पर क्यों न आसीन होने जा रहे हों।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) : अध्यक्ष महोदय, भ्रटाचार के विाय पर कल से कोई नई चर्चा नहीं हो रही है। मैं चार बार एमपी रहा और उस दौरान कई बार भ्रटाचार पर बहस की गई। मेरा कहना है कि इन्सान ही भ्रटाचार की जननी है और इन्सान ही अच्छाई की जननी है लेकिन सवाल यह है कि इसका निराकरण कैसे हो? इस पर कहीं बहस नहीं हुई। बहस के दौरान जब चारा घोटाले का मामला आता है कि उधर से हल्ला होता है और तेलगी का मामला आता है तो भी उधर से हल्ला होता है। इस तरह से हम लोग बंट कर रह जाते हैं। पहले व्यक्ति की सेवा, साधना और त्याग को प्रतिठित किया जाता था लेकिन आज उसे पद, दौलत और ताकत के रूप में प्रतिठित किया जाता है। जब यही केन्द्र बिन्दु बन जाएगा, व्यक्ति, सत्ता और कुर्सी ये तीनों केन्द्र बिन्दु बन जाएंगे, इसके इर्द-गिर्द पूरी दुनिया नाचती रहेगी तो निश्चित रूप से कहीं न कहीं स्वार्थ की बू आएगी। स्वार्थ की जहां से शुरुआत होती है वहीं से भ्रटाचार की शुरुआत होती है। अर्थ के कारण देश में भ्रटाचार की शुरुआत हुई। अर्थ का कारण क्या है? केवल जूदेव और जोगी का ही प्रकरण क्यों उठा और वह किस सवाल पर उठा? वह चेयर की रक्षा के लिए उठा। चाहे जोगी साहब ने जूदेव साहब को चेयर की पकड़ के लिए फंसाया हो या जोगी साहब को किसी ने फंसाया हो। यह सब कुर्सी की पकड़ के कारण ही हुआ। जब तक हमारे भीतर से स्वार्थ नहीं निकलेगा तब तक हम भ्रटाचार को रोक नहीं पाएंगे। स्वार्थ के बीच में अर्थ आ जाता है। भौतिक सुख, सत्ता की लोलुपता के कारण ही ऐसी घटनाएं घट रही हैं।

इसलिये, प्रधान मंत्री जी, मैं कहता हूं कि आज एजुकेशन में प्रतिभावान लड़कों की पूछ नहीं है। आप कहीं चले जाइये, माता-पिता की इनकम के आधार पर बच्चों को एडमीशन दिया जाता है। कहां से भ्रटाचार शुरु हो रहा है, स्कूल से या घर से, लेकिन यहां से नहीं है। राजनैतिक पार्टियां इसका केन्द्र-बिन्दु बन जाये, ऐसी स्थिति कहां है? वाटरगेट से लेकर इंडिया गेट, लालू यादव से लेकर मायावती और जयललिता जैसे लोगâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अभी आप बहुत दूर जा रहे हैं।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि आप एक बात जान लीजिये कि हिन्दुस्तान में सत्ता के कारण एक बार नहीं, कई बार â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अब आप समाप्त कीजिये। आपको दो मिनट दिये गये थे।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : अध्यक्ष महोदय, बिहार में 10-20 बार दल-बदल हुआ। सीपीआई, सीपीआई(एम), कांग्रेस और भाजपा को तोड़ा गया, झारखंड पार्टी और बीएसपी. को भी तोड़ा गया। किन कारणों से तोड़ा गया?

अध्यक्ष महोदय : आपका दो मिनट का समय पूरा हो गया और उसके बाद एक मिनट और हो गया है।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि सत्ता में बैठे हुये लोगों को चाहिये कि वे हम लोगों से अलग हटकर बैठें। जब बजट पेश किया जाता है, दुनिया के पूंजीपतियों को बुलाकर उनसे पूछा जाता है।

अध्यक्ष महोदय : प्लीज बैठिये। No more time. आनरेबल प्राइम मिनिस्टर उत्तर देने वाले हैं।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : अध्यक्ष महोदय, लास्ट में कह रहा हूं।

अध्यक्ष महोदय : प्रधानमंत्री जी उत्तर देंगे। नो प्लीज। आप बैठिये।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि बजट के जो रिकार्ड हैं...

अध्यक्ष महोदय : प्लीज बैठिये। प्रधान मंत्री जी का भाण शुरु हो रहा है। मैं इसलिये आपको टाइम देने वाला नहीं था। मैंने आपकी रिक्वैस्ट को माना। इसका मतलब यह नहीं कि आप जितना टाइम चाहें, उतना टाइम आपको दिया जाये। प्लीज बैठिये।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं एक सैंकिड में समाप्त कर रहा हूं। आजादी के 56 साल के घटनाचक्र पर बहस होती रही लेकिन उसका कोई मूल्यांकन नहीं हुआ है - न आध्यात्मिक, न मानसिक चिन्तन से वेदना निकली। यह देश में अलग परम्परा जा रही है। इसलिये निश्चित रूप से अपनी आत्मा और मन को बदलकर अपने चरित्र को बनाकर आगे बढ़िये जो भ्रटाचार को रोकने का काम करेगा।

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : अध्यक्ष महोदय, श्री दिलीप सिंह जूदेव के च्ण्द्धत्याग-पत्र पर मैंने जो वक्तव्य दिया, उस पर कल दिनभर चर्चा होती रही है। मैंने अपने वक्तव्य में श्री दिलीप सिंह जूदेव के अलावा किसी और का नाम नहीं लिया था लेकिन चर्चा में बहुत से नाम लिये गये। अब मुझे उनका निर्का करना पड़ेगा। यह इसलिये भी जरूरी है कि मेरे ऊपर दोहरे मापदंड का आरोप किया गया है। कौन-सा दोहरा मापदंड? कौन-सी कसौटी? क्या परदे के पीछे से आपको जोगी जी झांकते हुये दिखाई नहीं देते? अगर आरोप का अर्थ यह है कि जोगी जी के मामले में तो कार्यवाही तत्काल हुई लेकिन श्री जूदेव के मामले में देर लग रही है, यह ठीक नहीं है। मैं चाहूंगा कि जोगी जी का जो मामला है, उसे सदन अच्छी तरह से समझ ले लेकिन मैं विस्तार में नहीं जाऊंगा। श्री जोगी जी पर दो मामले हैं। एक में तो मैं स्वयं लिप्त हूं। उन्होंने मुझे पत्र लिखा था और उसके साथ एक जाली दस्तावेज़ भेजा जिसमें उन्होंने कहा था कि केन्द्र सरकार के विजिलेंस आफिसर कांग्रेस को बदनाम करने के लिये साज़िश कर रहे हैं, ाड्यंत्र कर रहे हैं। उन्होंने प्रमाण में कागज भेजा था जो बाद में दस्तावेज के रूप में जाना जाता है। उन्होंने उसके बारे में मुझसे बैंत नहीं की।

पत्र का मैं उत्तर दे सकता, इसका भी उन्होंने इंतजार नहीं किया। उन्होंने प्रैस कांप्रड्डैन्स करके, प्रैस कांप्रड्डैन्स भी कांग्रेस के सैन्ट्रल ऑफिस में हुई, जिसमें उन्होंने वह पत्र दे दिया, वह मुख्य मंत्री थे। अगर इंटेलीजैन्स ब्यूरो से या इंटेलीजैंस एजेन्सियों के किन्ही अफसरों के खिलाफ उन्हें शिकायत थी तो वह मुझसे कह सकते थे या सोनिया जी से कह सकते थे, सारे तथ्य सामने आ जाते, लेकिन प्रचार करने का पड्डैसला उन्होंने कर लिया था और यहीं से यह कहानी शुरू हुई। अब जो स्थिति है वह इस प्रकार है कि जूदेव पर जो आरोप लगे हैं, उनकी जांच हो रही है, देर का कोई सवाल नहीं है, जांच की एक प्रक्रिया है। अगर शिकायत आती है तो पहले उसकी जांच-पड़ताल होती है, प्रारम्भिक जांच-पड़ताल। उदाहरण के ैलए अगर एक कैसेट मिला है और कैसेट में किसी व्यक्ति के ऊपर आरोप लगे हैं तो वे आरोप कहां तक ठीक हैं, उसके ैलए किस व्यक्ति को दंड दिया जाए, यह सवाल तो बाद में तय होगा, लेकिन जांच करने वाली एजेंसी यह जरूर पता लगायेगी कि यह कैसेट कहां से आया है और इसके पीछे कौन है। जहां तक जूदेव का सवाल है, जो आरोप छपे हैं, उनकी शिकायत किसी व्यक्ति ने नहीं की है, जो आरोप लगे हैं उनकी शिकायत, सी.बी.आई. को भी उनकी जानकारी समाचार पत्रों से मिली है।

इंडियन एक्सप्रैस ने सबसे पहले समाचार छापा। इंडियन एक्सप्रैस से पूछा गया कि यह समाचार आपको कहां से मिला है। उन्होंने कहा कि हम नहीं बतायेंगे।

श्री सोमनाथ चटर्जी (बोलपुर) : समाचार तो सही है।â€¦ (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : BÉDªÉÉ càÉå àÉÉãÉÚàÉ cè*â€¦ (व्यवधान) उन्होंने कहा कि हम नहीं जानते कहां से आया है। यह दूसरा तरीका था यह कहने का कि हम नहीं बतायेंगे। हो सकता है न मालूम हो, लेकिन न मालूम हो और फिर भी छाप दिया तब तो समाचार पत्र पर गंभीर आरोप लगता है, जो मैं लगाना नहीं चाहता।

Shri SOMNTH CHATTERJEE : Why will they disclose the source?

स्री अटल बिहारी वाजपेयी : अब जो बताया गया है, नाम का पता नहीं है, किसकी शिकायत है, कोई शिकायतकर्ता नहीं है। समाचार पत्रों में छपी खबरों के आधार पर इस मामले को सी.बी.आई. को सौंपा गया है। जूदेव के मामले में धन दिया गया, किसने दिया, कितना दिया, धन दिया गया है, यह तो उसमें दिखाई देता है, मगर वह कैसेट भी बहुत धुंधला है। हमने उसे कई बार देखने की कोशिश की कि यह दाता कौन है, इसकी जांच जरूरी है। मेरा कहना इतना ही है कि इसकी जांच जरूरी है। जब सब चीज धुंधली है तो उसको साफ करना आवश्यक है। इसलिए सी.बी.आई. जांच कर रही है। â€¦ (व्यवधान) इस संबंध में और कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। किसने धन दिया, यह भी पता नहीं है। अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है, खोज जारी है।

श्री सत्यव्रत च्ैतुर्वेदी (खजुराहो) : जिसने लिया उसकी तो पहचान है।â€¦ (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : इस मामले में अभी आरोपी की शिकायत होने वाली है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: He has not yielded.

स्री अटल बिहारी वाजपेयी : भ्रटाचार निवारण नियम के अधीन मामला लिया गया हैâ€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रधान मंत्री जी के उत्तर के बाद अगर मैं आपको परमीशन दूंगा तो आप बोलिये।

श्री सत्यव्रत चैंतुर्वेदी : उत्तर के बाद मैं आपकी परमीशन जरूर लूंगा।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह भी पता लगाना पड़ेगा कि आखिर धन किसलिए दिया गया।

Shri SOMNATH CHATTERJEE : It is very unlike Shri Vajpayeeâ€¦ (*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : हाँ, क्योंकि आज मैं एडवोकेट का काम कर रहा हूँ।

Shri SOMNATH CHATTERJEE : It is such a bad case with all his support...(*Interruptions*) आप जानते हैं आप वेरी अनकम्फर्टेबल हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : केस की परीक्षा हो चुकी है और पड्डैसला आपके खिलाफ हो गया है। सचमुच में यह बड़ी गंभीर बैंत है। मैं इसमें पड़ना नहीं चाहता था कि आखिर छत्तीसगढ़ में जहां जूदेव को लपेटने के लैए इतना बड़ा कांड किया गया और अभी जिसकी जांच हो रही है, सच्चाई सामने आनी बाकी है, उसके बाद भी छत्तीसगढ़ में हमारी इतनी विजय हुई। आपको समझ में आया क्यों हुई? क्योंकि आप विश्वास खो चुके हैं और जूदेव में अभी भी लोगों का विश्वास बाकी है।

Shri SOMNATH CHATTERJEE : He is yielding...(*Interruptions*) Sir, they should not question him...(*Interruptions*) I am only requesting the hon. Prime Minister...(*Interruptions*) The hon. Prime Minister has said that the enquiry is on, and naturally he has not said that the enquiry should be in a particular manner. We are obliged to him that the enquiry should be there. But if the Prime Minister gives a certificate to a person against whom...(*Interruptions*) I was very politely making that observation...(*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर सर्टिफिकेट देने की मेरी मंशा होती तो â€¦ (व्यवधान)

श्री सोमनाथ चटर्जी : वाजपेयी जी, आप जानते हैं हम लोग आपका बहुत आदर करते हैं। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया शांति रखें।

â€¦ (व्यवधान)

Shri SOMNATH CHATTERJEE : Sir, we respect him very muchâ€¦ (*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जूदेव से स्यागपत्र मैंने मांगा। सार्वजनिक रूप से मैंने जूदेव से स्यागपत्र मांगा। â€¦ (व्यवधान)

Shri SOMNATH CHATTERJEE : Now, even after the political victory, it seems, that whatever allegation was against Shri Judeo, people have rejected it. The Prime Minister is saying that and obviously we will have the same from the CBI. That is the point...(*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सोमनाथ जी एक कुशल वकील की तरह से मेरे तर्क को तोड़-मरोड़ रहे हैं। यह ठीक नहीं है। मुझे जैसे ही जूदेव की खबर मिली, मैंने उनको इस्तीफा देने के लैए कहा और उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

श्री सोमनाथ चटर्जी : आपने क्यों इस्तीफा मांगा?

स्री अटल बिहारी वाजपेयी : माननीय सदस्य पूछ रहे हैं कि क्यों इस्तीफा मांगा। क्योंकि उनके ऊपर रैलत आरोप लगाए गए थे और हमने कहा कि जब तक जांच नहीं होगी â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let the hon. Prime Minister complete his reply.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is not proper. When you were speaking, no one interrupted you. Please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The Prime Minister is on his legs. He has a right to speak. If you do not agree with his arguments, you can use some other device of asking him the question.

स्री शिवराज वि.पाटील (लातूर) : जब रैलत आरोप लगाए थे तो इस्तीफा क्यों लिया?â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह तरीका अच्छा नहीं है। आप बैठिये। रामजीलाल सुमन जी, मैं खड़ा हूँ तो आपको बैठना पड़ेगा।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The Prime Minister is on his legs. Let him complete his reply. After he completes his reply, if I find that there is a need for any question, I will permit you.

...(*Interruptions*)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : जब गैलत आरोप लगे हैं तो जांच क्यों हो रही है? â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया बैठिये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मेरा किसी को प्रमाणपत्र देने का इरादा नहीं है। जूदेव के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं। उन आरोपों की जांच हो रही है और जब तक उन आरोपों से वे मुक्त नहीं होते, तब तक उन पर आरोप कायम रहेंगे। सारे त्यागपत्र का आधार ही यही है। â€¦ (व्यवधान)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : रक्षा मंत्री के च्द्धत्यागपत्र का क्या आधार था? â€¦ (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : उनको आपके हमले की ज़रूरत नहीं है। â€¦ (व्यवधान)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : अभी तक उनको क्लीन चिट नहीं मिली है। â€¦ (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) : सोनिया गांधी जी को भी क्लीन चिट नहीं मिली है। â€¦ (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : महोदय, सी.बी.आई. को यह देखना होगा कि फॉरेंसिक परीक्षा होने के बाद, कौन से तथ्य प्रकट होते हैं। उसके बाद फिर केस दर्ज किया जाएगा। अभी तो प्रिलीमिनरी इन्क्वायरी की जा रही है। कहा जा रहा है कि प्रिलीमिनरी इन्क्वायरी क्यों, यह इसलिए कि तथ्य पता नहीं हैं। राहुल कौन है, कहां उसने धन दिया, आस्ट्रेलियन कंपनी कहां से इन्वॉल्व हो गई, यह कौन सी कंपनी है, उन्होंने बदले में कौन् सा अनुग्रह प्राप्त किया, यह सब पता लगाना पड़ेगा। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया शान्ति बनाए रखिए।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर कोई और आरोप है, तो उसे लोगों के सामने लाया जाना चाहिए। â€¦ (व्यवधान) एक बैंत का यहां उल्लेख किया गया, उसका मुझे बहुत खेद है। सी.बी.आई. पर जो लांछन लगाए जा रहे हैं, वे ठीक नहीं हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं 50 साल से पार्लियामेंट में हूं। सरकारें बदली हैं। सी.बी.आई. अपने कर्तव्य का पालन करती रही है। देश में कुछ ऐसी संस्थाएं हैं, जो संविधान से जुड़ी हुई हैं, जिनकी प्रतिठा बरकरार रखनी चाहिए।

श्री सत्यव्रत च्तुर्वेदी : यही तो हमारा कहना है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : किसी विशेा अवसर पर थोड़ी-बहुत आलोचना हो, तो उसे सहन किया जा सकता है, लेकिन अगर प्रारम्भ यहीं से हो कि सी.बी.आई. पर विश्वास नहीं किया जा सकता। यदि सी.बी.आई. त्रथ्यों को इकट्ठा करेगी, तो सही तथ्यों को इकट्ठा नहीं कर सकेगी, सी.बी.आई. पर हम भरोसा नहीं कर सकते, यह ठीक नहीं है। क्या कोई और ऊंची से ऊंची ऐसी कोई संस्था है जो जांच करे, क्या हम ऐसी कोई संस्था बनाने के लिए तैयार हैं, क्या हमें अपने 50 सालों के अनुभव पर पानी पड्रेरना जरूरी होगा क्योंकि आज परिस्थिति आपके खिलाफ हो गई हैं ? परिस्थितियां हमारे खिलाफ भी हो गई थीं। हमने भी सी.बी.आई. पर छींटे मारे, लेकिन इस तरह का एक संगठित अभियान चलाना ठीक नहीं है, उसे रोकना बहुत जरूरी है। हमने ऐसा संगठित अभियान सी.बी.आई. के खिलाफ कभी नहीं चलाया। कल आप फिर सत्ता में आ सकते हैं। उस समय आपको भी एजेंसी चाहिए, जो तथ्यों को इकट्ठा कर सके, जो सचाई को सामने ला सके। इसलिए सी. बी.आई. को, एक संस्था के रूप में निन्दित करना ठीक नहीं है।

श्री सोमनाथ चटर्जी : किसी ने निन्दित नहीं किया है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, यह चर्चा भी हुई है कि इस मामले की जांच के लिए एक ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी बना दी जाए। मैं कई ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटियों का मैम्बर रहा हूं, अध्यक्ष भी रहा हूं। आखिर ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी सामग्री इकट्ठी करेगी, तथ्य इकट्ठा करेगी। कहां से करेगी, किससे बैंत करेगी ? फिर ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी सी.बी.आई. को बुलाएगी कि इस-इस तरह के मामले हुए हैं, इनकी जांच करो। â€¦ (व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : जजमेंट आपका होगा।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : हमारा जजमेंट कैसे होगा ?

श्री सोमनाथ चटर्जी : कमेटी का जजमेंट होगा।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : उस पर मतभेद हो सकते हैं। सोमनाथ जी, वह आपको बताने की आवश्यकता नहीं है। आप भी एक कमेटी के अध्यक्ष थे, बड़ी मुसीबत में फंस गए थे। छेंड़िए, मैं उसकी चर्चा नहीं करता। कमेटी बनाने से काम नहीं चलेगा। कमेटी बनाने की आवश्यकता नहीं है, औचित्य नहीं है। हमें सचाई का पता लगाना चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

श्री सोमनाथ चटर्जी : जिनके ऊपर आरोप हैं, उनकी आपने इतनी प्रशंसा की, उन्हें अच्छा बताया जबकि उन्होंने रुपए लिए और अच्छे होटल में जाकर लिए, ऐसा आपको नहीं करना चाहिए था। â€¦ (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : दादा, आपको तथ्यों का पता नहीं है। â€¦ (व्यवधान)

श्री सोमनाथ चटर्जी : हमारे दोस्त आडवाणी जी ने उन्हें सर्टिफिकेट दे दिया कि बहुत अच्छे आदमी हैं, यह ठीक नहीं है। जिसके खिलाफ आरोप हैं, उसे आपने चुनाव के लिए मैसकॉट बना दिया।

â€¦ (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह आरोप ठीक नहीं है।

MR. SPEAKER: Shri Somnath ji, Please co-operate.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सोमनाथ जी, आपने अगर यह सवाल उठाया है तो मैं यह बैंत पूछना चाहता हूं कि आखिर देश में ऐसा वैंतावरण कैसे बना, जिसमें उसे मैसकॉट बनाया जा सके।â€¦ (व्यवधान)

Shri SOMNATH CHATTERJEE : You are right. ...(*Interruptions*) यह बोल दिया कि बनाना नहीं चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सवाल यह नहीं है, बनाने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता। यहां डबल स्टैंडर्ड की बैंत आती है और डबल स्टैंडर्ड केवल एक तरफ से नहीं होता है, सब तरफ से होता है।â€¦ (व्यवधान)

श्री सोमनाथ चटर्जी : आप भी सत्ता में हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जब हम सत्ता में नहीं थे तब।â€¦ (व्यवधान)

श्री सोमनाथ चटर्जी : हम भी 20-25 साल से सत्ता में हैं और हम भी समझते हैं।â€¦ (व्यवधान) We expect some different behaviour from Shri Atal Bihari Vajpayee. ...(*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, चुनावों के बाद जो परिस्थिति पैदा हुई है और चुनाव के दौरान जो कुछ हुआ, उसे ध्यान में रख कर यह जरूरी है कि सब प्रमुख राजनीतिक दल इकट्ठे हों तथा इस बैंत पर विचार करें कि हम जिस दिशा में जा रहे हैं वह हमारे कल्याण की दिशा नहीं है। क्या इसके लैए सब विचार करने के लैए तैयार हैं या अगले चुनाव का सोचेंगे?â€¦ (व्यवधान) क्या चुनाव लड़ना और मर्यादाओं का पालन करना साथ-साथ नहीं हो सकता?â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चैंतुर्वेदी : एकतरफा नहीं हो सकता।â€¦ (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : एकतरफा कोई नहीं चाहता, दोतरफा चाहते हैं और कुछ कांग्रेस के सदस्य ऐसे है जो इस गंभीरता को समझ रहे हैं उनसे हम ज्यादा आशा करते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चैंतुर्वेदी : अध्यक्ष महोदय, मुझे एक प्रश्न पूछना हैâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Satyvrat Chaturvedi, there is no practice of asking questions.

Now, we shall take up Calling Attention. Shri Dayabhai V. Patel.

...(*Interruptions*)

श्री सत्यव्रत चैंतुर्वेदी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका संरक्षण चाहता हूं।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The debate is over.

...(*Interruptions*)

श्री सत्यव्रत चैंतुर्वेदी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध कर रहा हूं, मैं आपकी अनुमति चाहता हूं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रधानमंत्री जी की स्टेटमेंट होने के बाद प्रश्न नहीं पूछे जाते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चैंतुर्वेदी : अध्यक्ष महोदय, प्रधानमंत्री जी ने अभी उत्तर देते समय कहा,â€¦ (व्यवधान) महोदय, प्रधानमंत्री जी यहां मौजूद हैं, मैं आपसे अनुमति चाहता हूं कि मुझे एक प्रश्न पूछने दीजिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : माननीय प्रधानमंत्री जी, चैंतुर्वेदी जी, एक प्रश्न पूछना चाहते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चैंतुर्वेदी : अध्यक्ष जी, प्रधानमंत्री जी ने उत्तर देते समय एक प्रति-प्रश्न किया और वह महत्वपूर्ण प्रति-प्रश्न यह किया गया कि कल हमारी तरफ से यह कहा गया था कि प्रधानमंत्री जी और सरकार दोहरा मापदंड इस्तेमाल कर रही है। इन्होंने प्रश्न किया था कि दोहरे मापदंड कहां इस्तेमाल हुए। मैं इसी बारे में प्र धानमंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि दो प्रकरण एक साथ हैं □ एक तरफ जोगी और दूसरी तरफ जूदेव का प्रकरण है। एक मामले में पांच दिन के अंदर बिना प्र ीलिमिनरी इंक्वायरी किए हुए तत्काल एफआईआर दर्ज की जाती है और वहीं दूसरी तरफ जूदेव प्रकरण में टीवी के ऊपर स्पट रूप से वे रुपए लेते हुए दिखाए गए हैं, वहां अभी तक 24 दिन बाद भी कोई एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है। प्रीलिमिनरी इंक्वायरी के नाम पर उसे लम्बा खींचा जाता है, ऐसा क्यों? ूसरा दोहरा मापदंड यह है कि एक तरफ आप जोगी के मामले में जांच करना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप कितना लम्बा प्रश्न पूछेंगे?

â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चैतुर्वेदी : इस स्टींग ऑपरेशन को चलाने में वहां कौन-कौन लौग इन्वाल्वड थे? आपके कानून मंत्री ने स्वयं स्वीकार किया है कि उन्होंने उप ्र धानमंत्री जी की जानकारी और सहमति से जोगी के खिलाफ स्टींग ऑपरेशन चलाया था, उस मामले में कोई कानूनी कार्यवाही अरूण जेटली जी, उप प्रधानमंत्री और उससे जुड़े हुए लोगों के विरूद्ध क्यों नहीं की जा रही है?

ये मेरे दो प्रश्न हैं, जिनका उत्तर कृपा करके प्रधानमंत्री जी दें।â€¦ (व्यवधान)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुमा स्वराज) : सारा जवाब तो प्रधानमंत्री जी ने दे दिया।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज सुनिये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, मैंने अपने भाण में यह स्पट कर दिया था कि दोनों मामले अलग-अलग हैं। â€¦ (व्यवधान) जोगी के मामले में सब कुछ स्पट था।â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चैतुर्वेदी : वहां आडियो कैसेट में स्पट था और वीडियो कैसेट में स्पट नहीं था। â€¦ (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जो रुपया दिया गया, वह भी था, वह भी थाने में जमा हो गया है। जूदेव के मामले में जो रुपया था, वह कहां गया?â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चैतुर्वेदी : वह जूदेव के पास है।â€¦ (व्यवधान)

श्री अधीर चौधरी (बरहामपुर, पश्चिम बंगाल) : वह बी.जे.पी. के पार्टी फंड में गया।â€¦ (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : हां, जब उनसे पूछा जायेगा तो वे बताएंगे। उन्हें बताना चाहिए, तथ्यों को सामने आना चाहिए, लेकिन जहां तक जोगी जी का मामला है, उसमें किसी तरह का दुराव नहीं है। वे तो खुलकर खेल रहे थे। â€¦ (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चैतुर्वेदी : दोनों मामले भ्रटाचार के थे, लेकिन एक को लम्बा खींचकर रफा-दफा करने की कोशिश हो रही है। â€¦ (व्यवधान)

_____-